डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2026-28

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सारांश

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

पेज 07

वर्ष-10, अंक-51, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 29 अप्रैल 2026

सार-समाचार

जस्टिस स्वर्णकांता के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की उस अर्जी को खारिज कर दिया था, जिसमें शराब नीति केस की सुनवाई से हटने की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से मांग की गई थी। वहीं अब केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अब वह खुद उनके सामने पेश नहीं होंगे और न ही किसी वकील के जरिए अपनी पैरवी करवाएंगे। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल लेटर में यह भी कहा कि जस्टिस स्वर्ण कांता से इंसाफ मिलने की उनकी उम्मीद टूट गई है। ऐसे में उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के रास्ते पर चलने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर ये निर्णय लिया है। सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार सुरक्षित आप नेता ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते हुए संकेत दिया कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया है कि जस्टिस स्वर्णकांता के किसी भी फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखेंगे।

जोधपुर एयरपोर्ट आज से शुरू हो रहीं उड़ान

जोधपुर। जोधपुर एयरपोर्ट में करीब एक महीने बाद 28 अप्रैल मंगलवार से दोबारा संचालन के लिए तैयार है। रनवे मरम्मत कार्य के चलते बंद एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट बेंगलुरु से सुबह 8:45 बजे पहुंचेगी। एयरपोर्ट डायरेक्टर डॉ. मनोज उनियाल ने मीडिया को बताया कि विभिन्न शहरों के लिए नियमित उड़ान सेवाएं फिर शुरू हो रही हैं, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। बताया गया कि भारतीय वायुसेना द्वारा रनवे की री-कारपेटिंग के लिए 29 मार्च से 27 अप्रैल तक सभी सिविल उड़ानों को बंद किया गया था। इस दौरान इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुकिंग भी रोक दी थी। जोधपुर से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, जयपुर और अहमदाबाद के लिए रोजाना करीब 14 उड़ानें संचालित होती हैं, जो अब फिर से सामान्य हो जाएंगी।

आप के सांसद मिलते ही राज्यसभा में बढ़ी बीजेपी की ताकत

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला, जब सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में विलय को मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद राज्यसभा में भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई है, जबकि आप के खाते में अब महज 3 सांसद ही रह गए। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व क्या करेगा यह सबसे बड़ा सवाल है? जिन सात सांसदों के विलय को मंजूरी मिली है, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर अब इन सभी को भाजपा सांसद के रूप में दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इन सांसदों ने शुक्रवार को सभापति के समक्ष आवेदन देकर खुद को भाजपा का सदस्य मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इससे पहले आप ने इस घटनाक्रम पर कड़ा विरोध जताया और इसे अवैध करार दिया। आम आदमी पार्टी ने रविवार को सभापति के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर इन सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी।

घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन

हरदा में 2 हजार ट्रैक्टर से आए थे 270 गांवों के किसान

शब्द सारांश | हरदा

हरदा में 43 डिग्री टेम्परेचर में किसानों का 16 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को %घेरा डालो डेरा डालो किसान क्रांति आंदोलन% 11 घंटे चला। वे गेहूं और मूंग की खरीदी में आ रही समस्याओं को लेकर हरदा, देवास, नर्मदापुरम और खंडवा जिले के किसान बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों के साथ कृषि मंडी में जमा हुए थे।

हालात को देखते हुए कलेक्ट्रेट-मंडी क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया। 5 बटालियनों के 1100 जवान तैनात किए गए थे।

देर शाम आंदोलन दो दिनों के लिए स्थगित: किसान क्रांति आंदोलन को फिलहाल दो दिनों के लिए स्थगित किया गया है। देर शाम यहां करीब तीन सौ से अधिक किसानों और ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने साथ बैठकर खाना खाया। वहीं प्रशासन को दो दिनों का अल्टीमेटम दिया है। आंदोलन के संयोजक राजेंद्र पटेल का कहना है कि यदि मांगे पूरी नहीं होती हैं, तो दो दिनों बाद बिना किसी सूचना के किसानों के द्वारा ट्रैक्टर लाकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा।

ट्रॉलियों को तंबू में बदला, बिस्तर भी लाए थे

आंदोलन को लेकर किसान नेता सुनील गोल्या ने बताया कि किसान अपनी ट्रॉलियों में घर से आटा, दाल और अन्य खाद्य सामग्री लेकर आए थे। किसान नेता नानकराम बेनीवाल और राजेंद्र पटेल ने कहा किसानों ने अपनी ट्रॉलियों को तंबू में बदल लिया। वे बिस्तर भी साथ लाए थे।

अधिकारियों के आश्वासन पर भी नहीं माने किसान

शाम 6 बजे के बाद नर्मदापुरम डिप्टी कमिश्नर दिवाकर नारायण पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारियों से बात की। उन्होंने बताया कि किसानों को मूंग खरीदी होने के बारे में बता दिया गया है।वहीं मक्का के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। कल ग्यारह बजे तक किसानों को उनके लिए लिखित आश्वासन दे दिया जाएगा।

किसान क्रांति आंदोलनकारियों के अनुसार, उनकी ये मांगे मानने का आश्वासन मिला है-

- स्लॉट बुकिंग सभी किसानों के लिए खोल दी गई हैं।
- स्लॉट बुकिंग में आ रही सर्वर की समस्या दो दिन में समाप्त हो जाएगी।
- मूंग की खरीदी सरकार करेगी।
- खरीफ की बीमा राशि अगले 15 दिन में डलना शुरू हो जाएगी।
- अब नरवाई जलाने के केस नहीं लगेंगे, पुराने केसों को भी खत्म करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।
- मंडियों में प्लेट कांटों की संख्या बढ़ाई जाएगी और रेलिंग लगाई जाएगी।
- सहकारी ऋण जमा करने की तारीख बढ़ाने पर अगले कुछ दिनों में सकारात्मक खबर मिल जाएगी।
- मक्का खरीदी पर किसानों की मांग का प्रस्ताव बनाकर संभाग कमिश्नर राज्य सरकार को भेजेंगे।

केंद्र और राज्य सरकार के स्तर के अन्य मुद्दों को मजबूती से शासन स्तर पर संभाग कमिश्नर द्वारा उठाया जाएगा।

कमिश्नर को ज्ञापन देने अड़े थे

बताया गया कि प्रदर्शन में शामिल किसान कलेक्टर की जगह कमिश्नर को ज्ञापन देने की मांग पर अड़े थे। लेकिन नए कमिश्नर के ज्वाइन नहीं करने के चलते डिप्टी कमिश्नर दिवाकर नारायण पटेल ने हरदा पहुंचकर किसानों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण का भरोसा दिलाया।

गौरतलब रहे कि डिप्टी कमिश्नर पर पदस्थ दिवाकर नारायण पटेल मूल रूप से सयुंक्त कलेक्टर हैं, जो इस समय कमिश्नर का प्रभार संभाल रहे हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ साइन

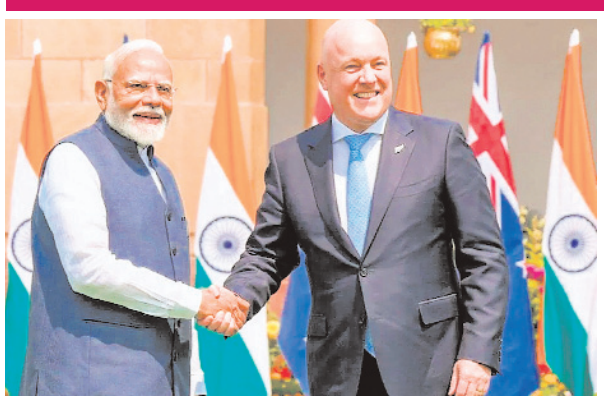

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन हो गया है। मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के मिनिस्टर ऑफ ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट टॉड मैक्ले की मौजूदगी में यह समझौता हुआ। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है। पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय व्यापारियों, विशेषकर आगरा के लेदर एक्सपोर्टर्स के लिए बड़े अवसर खुलेंगे। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया है। वहीं पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरूआत बताया। पीयूष गोयल ने कहा कि यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट विश्वास, साझा मूल्यों और टिकाऊ आर्थिक विकास के साझा विजन को दशार्ता है। यह समझौता भारत के लिए ओशिनिया और प्रशांत द्वीपीय बाजारों तक पहुंचने का गेटवे भी बनेगा। सर्विस सेक्टर में भारत ने आईटी, शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत आयुष, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे।

संपादकीय

राजधानी की सत्ता में 'सेंध' और व्यवस्था का 'समर्पण'

दिल्ली की राजनीति में इन दिनों अंदरूनी खींचतान, टूट और अस्थिरता का माहौल साफ नजर आ रहा है। सत्तारूढ़ दल के भीतर भरोसे का संकट गहराता जा रहा है, जहां नेताओं और सांसदों के पार्टी छोड़ने से बेचैनी और अविश्वास बढ़ गया है। दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर भी तबादलों और फैसलों को लेकर राजनीति और 'जुगाड़' का खेल हावी दिख रहा है, जिससे सुधार की कोशिशें कमजोर पड़ती नजर आती हैं। नगर निगम से लेकर सरकारी विभागों तक, फैसलों में मजबूती के बजाय समझौता और शक्ति संतुलन की राजनीति दिखाई दे रही है। वहीं विपक्ष भी जनता से जुड़ने के प्रयास में है, लेकिन संगठनात्मक कमजोरियां सामने आ रही हैं। कुल मिलाकर, 'बेदिल' द्वारा लिखा गया स्तंभ सत्ता, संगठन और प्रशासन—तीनों स्तरों पर असंतुलन, रणनीतिक चालें और अंदरूनी बगावत की मौजूदा स्थिति का आईना है। दिल्ली की सत्ता पर लगभग दशकभर से जमी पार्टी के आंगन में ऐसी खुसुर-पुसुर चली कि दीवारों भी कान बंद किए रहीं। राष्ट्रीय संयोजक के करीबी समझे जाने वाले दो चेहरे समेत तीन भरोसेमंद सिपाही चुपचाप पाला बदलकर भाजपा की चौखट जा पहुंचे। इधर दरबार में सब ठीक होने के दावे होते रहे, उधर राज्यसभा वाले संकेत पहले ही इशारा कर चुके थे। मगर आलाकमान को भनक तक न लगी या लगी तो अनसुनी कर दी गई। अब सफाई दी जा रही है कि वे जमीनी नेता नहीं थे, पर सवाल यही कि जब किले के दरवाजे भीतर से खुले, तो पहरेदार आखिर कर क्या रहे थे? राघव चड्ढा समेत सात सांसदों के अचानक पार्टी छोड़ने से आप के आलाकमान में बेचैनी खुलकर सामने आ गई है। दफ्तरों में काम कम और खुसुर-पुसुर ज्यादा चल रही है। हर कोई अब एक-दूसरे को शक की नजर से देख रहा है कि अगला नंबर किसका है। डर यह भी है कि भाजपा कहीं इस टूट को और न बढ़ा दे। हालत यह है कि अब 'विश्वसनीय लोग' भी भरोसे की जगह सवाल लेकर घूम रहे हैं और मीठी वाणी में इरादे टटोल रहे हैं, 'भाई, तुम भी लाइन में हो क्या?' कार्यकर्ताओं को भी कहा गया है कि भाजपा के लोगों से संपर्क में रहें। राजनीति अब भरोसे से ज्यादा अंदाजों पर चल रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अवैध निर्माण और कब्जे की जड़ पर चोट करने की कोशिश क्या हुई, अंदरखाने हलचल तेज हो गई। वर्षों से एक ही कुर्सी से चिपके 83 तकनीकी सुपरवाइजरों के तबादले का फरमान आया तो दफ्तरों में सन्नाटा और गलियारों में फुसफुसाहट बढ़ गई।

तपती धरतीः कारण और समाधान

लेखिका- निर्मल रानी

पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इज़ाफ़ा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज़ गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में ख़ासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च दबाव प्रणाली गर्म हवा को ज़मीन के पास फंसाकर ढक्कन की तरह काम करती है, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है। परिणाम स्वरूप ष्भद्रश्चह्लद्गह्यह्यद्बश्ठ्ठद्धद्गड्डह्लद्बठ्ठद्द से गर्मी और तीव्र हो जाती है। उधर पहले से हो रहा जलवायु परिवर्तन, सूखी मिट्टी और कम वनस्पति (वृक्ष कटान) इसे बढ़ावा देते हैं। इसी को हीट डोम प्रभाव कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसने हीटवेव की तीव्रता और इसकी अवधि दोनों को ही बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि 2026 में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 92 शहर केवल भारत में हैं। इन गर्म क्षेत्रों में केवल दिन ही नहीं बल्कि यहां की रातें भी गर्म रहती हैं। इसे सीवियर वार्म नाइट कहते हैं।

यह स्थिति जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। साथ ही इस हीट वेव पर अल नीनो का प्रभाव भी बताया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से रिकॉर्ड गर्मी पड़ना भी संभव है। अल नीनो का प्रभाव ही प्रशांत महासागर में गर्म पानी का दौर हवाओं को कमज़ोर कर भारत में गर्मी और कम मानसून लाता है। इसी के साथ गर्मी को बढ़ने में अनियंत्रित शहरीकरण की भी बड़ी भूमिका है। देश में चारों ओर खेत व जंगल वृक्ष निरन्तर कम होते जा रहे हैं। और शहरीकरण के नाम पर कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं।

लिहाज़ा अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए ख़ासकर ज़िम्मेदार हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60त्न अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60त्न तक ज़िम्मेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90त्न इज़ाफ़ा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80त्न तक बढ़ा है। मिसाल के तौर पर जमशेदपुर में शहरीकरण ने तापमान वृद्धि में 100त्न योगदान दिया।

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व प. बंगाल जैसे राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन राज्यों में कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है।

ऐसे में सबसे ज्वलंत प्रश्न यही है कि आख़िर तापमान वृद्धि की ज़िम्मेदार हमारी वर्तमान पीढ़ी क्या अपनी आने वाली नस्लों को भी ऐसी ही या इससे भी अधिक तपती पृथ्वी देकर जायेगी या इससे बचने के कुछ उपाय करना चाहेगी ? इसके लिये सबसे पहले भारतीय शहरों में हरित आवरण को विस्तार देने की सख़्त ज़रूरत है। हालाँकि इसके लिये अनेक सरकारी योजनाएं व स्थानीय उपाय प्रभावी हैं जोकि शहरी गर्मी कम करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके लिये बाक़ायदा कार्य योजना बनाकर तथा वर्षाऋतु के आरंभ से ही सरकारी और नगर निकाय भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाये जा सकते हैं। कई राज्य इस दिशा में सक्रियता से काम भी कर रहे हैं। वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप देने के लिये हर व्यक्ति अपने परिवार के शादी ब्याह,मैरिज एनिवर्सरी,बर्थडे, जन्म मृत्यु बरसी जैसे अवसरों पर वृक्षारोपण कर इन अवसरों को यादगार बनाने के साथ साथ जलवायु को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपना क़ीमती योगदान दे सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति जहां ज़मीन कम हो वहां अपने घरों की छतों पर रूफ़ गार्डनिंग कर सकता है और वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं। अपने घरों के खुले क्षेत्र में अधिक से अधिक गमले लगाकर भी तापमान को काफ़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है तथा ताज़ी ऑक्सीजन प्राप्त की जा सकती है। ग़ौरतलब है कि कोरोना काल में जब देशभर में अचानक कोरोना प्रभावित लोगों के लिये ऑक्सीजन की कमी पैदा हुई थी उस समय लोगों को हरियाली और वृक्षारोपण की ख़ूब याद आई थी। कई बीमार लोग तो खेतों में पेड़ों के नीचे बैठकर स्वास्थ्य लाभ लेते देखे गये। इस आपदा ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता बढ़ायी कि उसी समय से गमलों व पौधों की नर्सरी का व्यवसाय कई गुना बढ़ गया।

बहरहाल भविष्य में तापमान वृद्धि से बचने व इसके दीर्घकालिक उपाय करने के साथ साथ तात्कालिक रूप से शरीर पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव से बचाव करना भी बेहद ज़रूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाना और शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे ज़रूरी है। इसके लिये बहुत सारा पानी पीना चाहिये और बार बार पीना चाहिए।

गंगा एक्सप्रेसवेः आर्थिक पुनर्जागरण की जीवंत रेखा

आनन्द दास गुप्ता

गंगा की धारा जब किसी पत्थर से टकराती है, तो वह उसे काटती नहीं, बल्कि उसे घिसते-घिसते अपने रास्ते की शक्ल में ढाल लेती है। उत्तर प्रदेश की नियति भी कुछ ऐसी ही रही है । इस भूमि ने सभ्यताएं जन्मी हैं, क्रांतियां बोई हैं, फिर भी एक दशक पहले तक एक विडंबना इसके माथे पर चिपकी रही कि यह राज्य, जो देश की आबादी का छठा हिस्सा समेटे है, विकास की दौड़ में अक्सर पिछली पंक्ति में ही खड़ा दिखाई पड़ा।

इतिहास की यह विरोधाभासी विरासत अब एक नए अध्याय की दहलीज पर खड़ी है और उस दहलीज का नाम है गंगा एक्सप्रेसवे, जो यूपी सरकार के संकल्प के एक बड़े प्रतिमान के रूप में अब साकार रूप में है। 594 किलोमीटरज़ मेरठ से प्रयागराजज्यह केवल एक सड़क की लंबाई नहीं है, बल्कि उस सोच की लंबाई है, जो मानती है कि किसी राज्य को बदलने के लिए पहले उसकी नसों में नई रक्त-संचार व्यवस्था बनानी पड़ती है। जब कोई जमीन पर इतनी बड़ी रेखा खींची जाती है, तो वह केवल भूगोल नहीं बदलती, वह उस भूगोल में जीने वाले लोगों की संभावनाओं का नक्शा बदल देती है। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए ऐसा ही एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप है, जिसे समझने के लिए केवल इंजीनियरिंग की नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दूरदर्शिता की भाषा जाननी होगी। उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है। जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी। लॉजिस्टिक्स की दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है। जब गंगा एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर बनते हैं, तो यह समीकरण बदलता है। माल तेज़ पहुंचता है, भंडारण की जरूरत घटती है, ट्रांसपोर्ट का समय कम होता है और पूरी सप्लाई चेन अधिक विश्वसनीय बन जाती है। गंगा एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला एक ट्रक केवल माल नहीं ढोएगा, वह उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। लेकिन, असली रूपांतरण तब होगा जब एक्सप्रेसवे के किनारे एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र उगेगा। सरकार की योजना औद्योगिक नोड्स, वेयरहाउसिंग हब और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की है। यह योजना अगर सही नीयत और सही क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरी, तो उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है। वह रीढ़, जिसके सहारे एक पूरा आर्थिक शरीर खड़ा होता है।

आर्मी विमेंस वेलफेयर ग्रुप की बैठक का हुआ आयोजन

हरदा। शब्द सारांश। आर्मी विमेंस वेलफेयर ग्रुप की बैठक का आयोजन किया गया बैठक की विशेष थीम पृथ्वी दिवस एवं सीता नवमी पर आधारित रही। बैठक में कमला सोनी, संगीता सोलंकी, राधा कुशवाहा, नेहा शर्मा, फरजाना शेख, मनीषा कौशिक, स्मिता गुर्जर, सरोज कोगरे एवं रजनी मानकर उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, सीता नवमी के अवसर पर माता सीता के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों को साझा किया गया, जिनमें धैर्य, त्याग एवं संस्कारों के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। अंत में, सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण एवं समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया।

भीलट देव के पास सड़क हादसा, बोलेरो-पिकअप की टक्कर में आधा दर्जन से अधिक घायल

शब्द सारांश सिवनी मालवा। अभी जिले में हुई एक सड़क दुर्घटना का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि सिवनीमालवा थाना अंतर्गत भिलट देव के समीप सोमवार की रात तकरीबन 8 बजे एक और सड़क दुर्घटना की जानकारी सामने आई है। बताया गया कि शादी समारोह से लौट लोगों को लेकर लौट रही एक पिकअप वाहन को तेज रफ्तार बोलेरो ने आमने-सामने जोरदार टक्कर मार दी। हालांकि इस हादसे किसी जनहानि की खबर नहीं है।लेकिन पिकअप में सवार 6 से अधिक लोग घायल हो गए, सभी घायल आदिवासी समाज के बताए जा रहे हैं।घटना की जानकारी देते हुए पिकअप में सवार लखन लाल ने बताया कि वे सीधा पानी गांव के निवासी हैं और बीलतलाई में आयोजित शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान भिलट देव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी।हादसे में श्रीपाल, मल्लू, कैलाश, राम भाई, नाभा, दुर्गेश सहित अन्य लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर बृजेश राजपूत द्वारा प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल दो मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया है।पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

अमृत भारत एक्सप्रेस का 29 अप्रैल को हरदा में होगा भव्य स्वागत

हरदा। शब्द सारांश। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बनारस रेलवे स्टेशन से अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष सेवा का शुभारंभ किया। इसी के साथ गाड़ी संख्या 22589/22590 बनारस-हड़पसर-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित संचालन 28 अप्रैल से प्रारम्भ हुआ।

प्रधानमंत्री के शुभारंभ के उपरांत गाड़ी संख्या 02531 उद्घाटन विशेष सेवा, 29 अप्रैल 2026 को प्रात: 10:20 बजे हरदा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी, जहां इसका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में स्वागत समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उईके शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से क्षेत्र के यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त तेज, सुरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा का लाभ मिलेगा। यह सेवा क्षेत्रीय संपर्क और यात्री सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर रजनी वर्मा, एसडीएम खिरकिया शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम कुड़ावा निवासी रघुवीर राजपूत ने कलेक्टर श्री जैन को आवेदन देकर खेत में जाने हेतु रास्ते की मांग की, जिस पर तहसीलदार खिरकिया को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। खिरकिया के वार्ड क्रमांक 1 के नागरिकों ने आम रास्ते पर अतिक्रमण के संबंध में शिकायत की, जिस पर उन्होने तहसीलदार खिरकिया को मामले की जांच कर आवेदकों की समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में टिमरनी निवासी अशोक कुमार बिल्लोरे ने अपनी भूमि का नक्शा दुरूस्त कराने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर एसडीएम टिमरनी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में हरदा निवासी संतोषीबाई ने विद्युत बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की, जिस पर महाप्रबन्धक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने आवेदिका की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिये।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिवक्तागणों के साथ बैठक सम्पन्न

लोक अदालत में सर्वाधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग करने वाले अधिवक्ताओं को प्रशंसा पत्र प्रदान किये

शब्द सारांश | हरदा

नालसा, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में पूरे जिले में लंबित प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किये जाने हेतु 9 मई, 2026 को वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, हरदा तथा तहसील न्यायालय, टिमरनी और खिरकिया में किया जावेगा। इसी क्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री रघुवंशी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के सभागार में अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने आगामी लोक अदालत में समझौता योग्य लंबित सिविल एवं आपराधिक प्रकरणों व प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण व पक्षकारों को लाभांवित कराने में अधिवक्ताओं द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने की अपील की। बैठक में नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री जयदीप सिंह ने सिविल प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, चेक अनादरण के प्रकरणों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण और बीमा कंपनी के प्रकरणों के निराकरण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही पैरालीगल वॉलेंटियर्स के माध्यम से भी पक्षकारों को समझाईश एवं समझौते हेतु कार्य करवाये जाने के बारे में बताया गया।

बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि हरदा जिला न्यायालय का लोक अदालत के माध्यम से निराकृत प्रकरणों में हमेशा प्रदेश में अगृणी स्थान रहा है। उन्होंने अधिवक्तागण से अपील की है कि वे अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर इस स्थान को बनाये रखने में सहयोग प्रदान करें। जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा ने पूर्व की भांति इस बार भी नेशनल लोक अदालत में सभी अधिवक्तागण की ओर से अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होने पक्षकारगण से भी अधिक से अधिक संख्या में प्रकरण का निराकरण किये जाने में सहयोग प्रदान करने की अपील की।

बैठक में उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा नेशनल लोक अदालत के अनुभव एवं लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के संबंध में उनके विचार व्यक्त किए। इस दौरान 14 मार्च को आयोजित लोक अदालत में सर्वाधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग करने वाले अधिवक्ताओं श्री वंदित सिंह राजपूत, श्री क्रांति जैसानी, श्री शिव विलास सराफ एवं श्री समीर खान एवं जिला अधिवक्त संघ के अध्यक्ष, श्री जगदीश विश्वकर्मा एवं सचिव श्री शैलेन्द्र जोशी आदि को प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नवागंतुक न्यायाधीशगण श्री कपिल वर्मा तथा श्री अमित मालवीया का भी अधिवक्ता संघ द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में जिला मुख्यालय में पदस्थ न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे, पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

टिमरनी। तिनका सामाजिक संस्था की सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी मना मंडलेकर मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर लौटी हैं। उनके भारत आगमन पर मुंबई के ताज सांताक्रूज़ होटल में उन्हें सम्मानित किया गया। टिमरनी एवं आलमपुर में उनके आगमन पर खिलाड़ियों एवं नागरिकों ने ढोल-नगाड़ों, मिठाई एवं आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया तथा नाच-गाकर अपनी खुशी व्यक्त की। टिमरनी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज ने उनका स्वागत कर भविष्य में अन्य देशों से स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया।

जिले के पुलिस कप्तान के दिशा निर्देशन में इटारसी पुलिस की कार्रवाई

कार से लाई जा रही 26 पेटी अवैध शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने अवैध शराब इटारसी के संदीप मिहानी की होना बताया, पुलिस ने बनाया आरोपी

शब्द सारांश | नर्मदापुरम

जिले के पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में इटारसी थाना टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने एक कार में रखकर लाई जा रही 26 पेटी अवैध शराब जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में टी आई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि पुलिस ने एक कार से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना इटारसी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की टाटा कार में अवैध शराब भरकर बैतूल मार्ग से होकर इटारसी लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पथरोटा पुलिया के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन का इंतजार किया।

कुछ ही देर में बताई गई कार क्रमांक एमपी 04 सी डब्ल्यू 0952 की इटारसी की और आती नजर आई। पुलिस को देखकर चालक ने वाहन को कच्चे रास्ते की ओर मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने घेरकर उसे पकड़ लिया।पकड़े गए आरोपियों की पहचान अब्दुल जाहिद अंसारी, निवासी भाट मोहल्ला इटारसी,हेमंत राजपूत निवासी गांधी नगर इटारसी बताई गई है।कार की तलाशी लेने पर उसमें देसी और विदेशी शराब की कुल 26 पेटियां बरामद हुईं, जिनकी कुल मात्रा 241.200 लीटर पाई गई। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 6 लाख 45 हजार रुपए आंकी गई है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह शराब संदीप मिहानी निवासी भाट मोहल्ला इटारसी की है। पुलिस ने उसे भी मामले में आरोपी बनाया है और उसकी तलाश जारी है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गौरव बुंदेला सहित उपनिरीक्षक विपिन पाल, प्रधान आरक्षक मनमोहन अहिरवार, प्र. आरक्षक रामनारायण, आर. महेंद्र गुर्जर,आर. शाकिर, बसंत, अनिल पाल, अंकित गौर का सराहनीय योगदान रहा है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस तरह के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

26 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा हेलमेट अभियान,

बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर होगा जुर्माना लाइसेंस सस्पेंड की भी होगी कार्रवाई

नर्मदापुरम। पुलिस कप्तान साईं कृष्णा एस. थोटा के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में नेतृत्व और मार्गदर्शन में डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा के कुशल नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने आज 26 अप्रैल से हेलमेट अभियान की शुरुआत कर दी गई है। यह अभियान 26 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। जिसमें बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बिना लाइसेंस चलने पर ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही भी की जाएगी। लाइसेंस निलंबन की स्थिति में वाहन चलाने पर पुलिस की पीओएस मशीन द्वारा बाद में चालानी कार्यवाही के समय लाइसेंस निलंबित बताएगा जिस पर पुलिस बिना वैध लाइसेंस के वाहन चलाने की कार्यवाही कर सकेगी साथ ही यदि वाहन स्वामी चालक से अन्य हो तो उसके विरुद्ध भी कार्यवाही कर सकेगी।

जन-जागरूकता पर भी जोर: अभियान के दौरान थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में नर्मदापुरम पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों से 17 लाख रुपए से अधिक जुर्माना वसूला था। विगत वर्ष में प्रशासन के द्वारा जागरूकता अभियान और नि:शुल्क हेलमेट वितरण किया गया था।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाएं और इस अभियान में सहयोग करें।

दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट पुलिस ने काउंटर केस दर्ज किया

नर्मदापुरम/इटारसी। केसला थाना अंतर्गत ग्राम सहेली में रविवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना में दोनों ही पक्षों के लोग घायल हुए हैं, जिसकी शिकायत पर पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज किया है। घटना 26 अप्रैल की दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है।पहला मामला फरियादी राजेश पिता सुंदरलाल लांजीवार निवासी सहेली की शिकायत पर पुलिस ने दूसरे पक्ष के 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजेश का आरोप है कि आरोपियों सीमा पति राजेश, पदमसिंह नागवंशी, योगेंद्र नागवंशी, नरेंद्र नागवंशी और सूरज पठारिया सभी निवासी इटारसी ने उनके घर के सामने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। घटना में इस पक्ष से राजेश, रघुनाथ, रामरती बाई और रेनू को चोटें आई हैं।दूसरा मामला वहीं दूसरे पक्ष की सीमा पति राजेश लांझीवार निवासी सहेली की शिकायत पर पुलिस ने पहले पक्ष के 5 लोगों पर मामला दर्ज किया है। सीमा का आरोप है कि आरोपियों राजेश लांझीवार, तेजराम लांझीवार, संगीता बारसे, अजय बारसे और हेमंत ने उन्हें और उनके परिजनों को अश्लील गालियां दीं और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इस पक्ष से सीमा, योगेंद्र, पदमसिंह, जानकी और नरेंद्र नागवंशी घायल हुए हैं। केसला पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर मामला पंजीबद्ध किया है। दोनों पक्षों के घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

रेल्वे स्टेशन पर रेल्वे सुरक्षा बल की कारवाई 70 गिरफ्तार 66 हजार का जुर्माना वसूला

शब्द सारांश | नर्मदापुरम/इटारसी

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेल्वे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल ने अवैध वेंडरों सहित अन्य पर करवाई करते हुए एक ही दिन में 70 लोगों को गिरफ्तार कर 66 हजार का जुर्माना वसूला है।आरपीएफ इटारसी ने स्टेशन परिसर, आउटर और ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न रेल अधिनियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 70 व्यक्तियों को रंगे हाथों दबोचा गया। इन सभी आरोपियों को भोपाल स्थित माननीय रेलवे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषियों पर कुल 66,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया।

इन पर की कारवाई

आरपीएफ द्वारा गठित विशेष टीमों ने न केवल अवैध वेंडरों पर नकेल कसी, बल्कि अन्य अराजक तत्वों को भी सबक सिखाया।25 अनाधिकृत वेंडर गिरफ्तार (खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर बड़ा प्रहार)आरक्षित कोचों मे अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले 32 पुरुष (21 महिला कोच + 11 दिव्यांग कोच)पटरी पार करने और प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमने वाले 12 व्यक्ति। बिना ठोस कारण ट्रेन रोकने वाला 01 व्यक्ति। इसके अलावा किन्नरों और स्टेशन पर न्यूसेंस फैलाने वालों के विरुद्ध भी धरपकड़ जारी रही।

घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी, पीड़ित का आरोप पुलिस ने अब तक नहीं किया आरोपियों को गिरफ्तार

नर्मदापुरम। देहात थाना अंतर्गत पंचवटी फेस टू निवासी मोहनलाल मिश्रा के घर पर कुछ लोगों ने घुसकर उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। हालांकि इस मामले में देहात पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज तो किया है। लेकिन पुलिस ने अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है उक्त आरोप पीड़ित ने पुलिस पर लगाया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित घायल मोहन लाल मिश्रा का नर्मदापुरम के शासकीय अस्पताल में अभी इलाज चल रहा है। पीड़ित ने बताया कि वह अपने घर पंचवटी फेस टू में रहता है। जहां पर राघव गौर, रितेश गौर , और सिद्धांत गौर ने आकर उनके साथ मारपीट कर उनके बहु अथवा बच्चों को जान से मारने की धमकी दी और बोले कि यदि 13 तारीख को पेशी पर गए तो जान से मार देंगे।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक
फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज
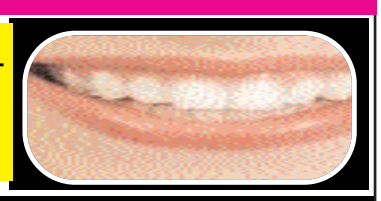
डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)
पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर
कम्प्युटर से संबधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है
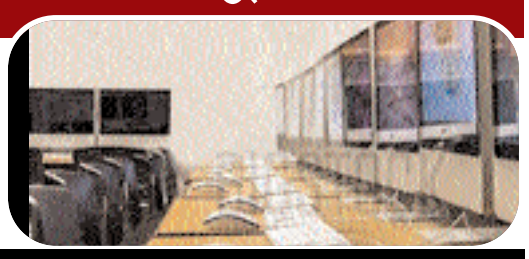
दीपक कुमार नेमा (संचालक)
पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

कान्हा में लौटेंगे जंगली भैंसें: काजीरंगा से शुरू हो रहा ऐतिहासिक ट्रांसलोकेशन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चीता पुनर्स्थापना की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंस (वाइल्ड बफेलो) प्रजाति की पुनर्स्थापना की रणनीति अब साकार हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के सूपखार एवं टोपला क्षेत्र में कार्यक्रम के अंतर्गत जंगली भैंस पुनर्स्थापन अभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री सूपखार में 4 जंगली भैंसों को उनके नए प्राकृतिक आवास में छोड़ेंगे। इनमें 3 मादा और एक नर जंगली भैंसा शामिल हैं। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अधिकारीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहेंगे। इस पहल से भैंस प्रजाति के संरक्षण के साथ ही राज्य का वन पारिस्थितिकी तंत्र भी सशक्त बनेगा।

कान्हा सबसे उपयुक्त प्राकृतिक आवास

भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।

प्रकृति संतुलन की दिशा में निर्णायक पहल

सूपखार में जंगली भैंसों को छोड़े जाने के साथ यह 'वाइल्ड-टू-वाइल्ड' पुनर्स्थापना परियोजना एक नए चरण में प्रवेश करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे कान्हा की घासभूमि पारिस्थितिकी को मजबूती मिलेगी और जैव-विविधता संतुलन को नया जीवन मिलेगा। यह पहल मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में संचालित एक और ऐतिहासिक संरक्षण अभियान है, जो आने वाले समय में देश के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित होगा। इस परियोजना के साथ ही मध्यप्रदेश और असम के बीच वन्यजीव आदान-प्रदान का नया अध्याय भी जुड़ रहा है। इसके बदले में मध्यप्रदेश, असम की मांग के अनुसार 3 बाघ और 6 मगरमच्छों का स्थानांतरण करेगा। इस पर गुवाहाटी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता विश्व सरमा के बीच हुई बैठक में सहमति बनी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि चीता पुनर्स्थापना के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा।

मप्र सरकार का वीवीआईपी बेड़ा होगा हाईटेक

24 साल बाद नया जेट विमान राज्य सरकार के बेड़े में होगा शामिल

भोपाल । मप्र सरकार लंबे इंतजार के बाद अपने वीवीआईपी विमान बेड़े को अपग्रेड करने जा रही है। करीब 24 साल बाद नया जेट विमान राज्य सरकार के बेड़े में शामिल होगा। जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 जुलाई में सरकार को मिल जाएगा। राज्य सरकार को मिलने वाला आधुनिक बिजनेस जेट बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 अत्याधुनिक विमान कनाडा की कंपनी बॉम्बार्डियर इंक. द्वारा तैयार किया जा रहा है। राज्य सरकार इस विमान को संचालित करने के लिए अपने पायलट को विशेष प्रशिक्षण के लिएअमेरिका भेजेगी। ताकि वे इस अत्याधुनिक जेट को सुरक्षित और कुशलता से उड़ा सकें। वहीं राज्य सरकार का करीब 170 करोड़ का अत्याधुनिक एच160 हेलीकॉप्टर जनवरी 2027 तक बेड़े में शामिल हो जाएगा। यह हेलीकॉप्टर फ्रांस की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एयरबस हेलीकॉप्टर द्वारा निर्मित है। बताया

जा रहा है कि भारत में फिलहाल इस मॉडल के केवल 5 से 6 हेलीकॉप्टर ही संचालित हो रहे हैं।

गौरतलब है कि मप्र सरकार के पास अभी अपना कोई विमान नहीं है। सरकार पिछले करीब पांच साल से किराए के विमान में हवाई सफर कर रही है। सरकार नया विमान खरीदने के आदेश जारी कर चुकी है। मई तक नए विमान की डिलिवरी होना प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके जुलाई में आने के आसार हैं। इस तरह सरकार को अभी तीन महीने और किराए के विमान में यात्रा करना होगी। सूत्रों का कहना है कि दिसंबर, 2026 तक सरकार के पास नया हेलिकॉप्टर भी आ जाएगा। नए डबल इंजन हेलिकॉप्टर की आपूर्ति के लिए निमार्ता कंपनी से अनुबंध किया जा चुका है। नया हेलिकॉप्टर करीब 150 करोड़ रुपए में खरीदा जा रहा है। विमानन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मप्र सरकार कनाडा की बॉम्बार्डियर कंपनी से चैलेंजर 3500 विमान खरीद रही है। कैबिनेट ने जुलाई, 2024 में नया विमान खरीदने की मंजूरी दी थी। इसके बाद विभिन्न औपचारिकताएं करने के बाद नए विमान खरीदी के लिए क्रय आदेश जारी किया गया। अधिकारियों का कहना है कि चैलेंजर 3500 विमान अपनी श्रेणी में सबसे अधिक एडवांस तकनीक से बना है। इसमें वॉयस कंट्रोल्ड केबिन और हाईटेक सीटें हैं। यह विमान न्यूनतम 4850 फीट से लेकर अधिकतम 41 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है।

सुपर किंग बी-200- यह विमान राज्य शासन ने वर्ष 2002 में रेथ्यॉन एयरक्राफ्ट कंपनी से 23 करोड़(47,56,804 अमेरिकन डॉलर) में खरीदा था। यह सात सीटर है। ये 3000 हजार घंटे उड़ान कर चुका है। 2021 के दौरान ग्वालियर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है विमान

करीब 236 करोड़ रुपए के चैलेंजर 3500 एक सुपर मिड-साइज जेट है, जिसमें नौ यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इसकी केबिन ऊंचाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 7 फीट 2 इंच है। यह विमान करीब 459 नॉट्स यानी 850 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और लगभग 6,297 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके अलावा, यह 45,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है और कम लंबाई वाले रनवे (करीब 1,474 मीटर) से भी उड़ान भर सकता है। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि जून-जुलाई 2026 में डिलीवरी का समय है। दअरसल, तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने 65 करोड रुपए में नया विमान खरीदा था। यह विमान 6 मई, 2021 को ग्वालियर में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। चूंकि अधिकारी विमान का बीमा कराना भूल गए थे, इसलिए उसको ठीक कराना महंगा पड़ रहा था और खतरे की भी आशंका थी।

अस्तित्व से अस्मिता की ओर: मध्य प्रदेश में महिला विकास के नए प्रतिमान

भोपाल । मध्यप्रदेश की धरा पर नारी तू नारायणी का मंत्र केवल उपदेशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नीतिगत निर्णयों और जमीनी क्रियान्वयन की आधारशिला बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन में आज की महिला केवल शासन की योजनाओं की हितग्राही नहीं है, बल्कि वह नए मध्य प्रदेश की भाग्य विधाता और नेतृत्वकर्ता बनकर उभर रही है। प्रदेश की नीतिगत प्राथमिकताओं में आए इस बुनियादी बदलाव ने आज मध्य प्रदेश को महिला केंद्रित विकास के मामले में देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की यात्रा केवल नारों तक सीमित न रहकर आर्थिक स्वावलंबन के ठोस धरातल पर टिकी है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना इस बदलाव का सबसे मुखर प्रतीक बनकर उभरी है, जहाँ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से जून 2023 से अब तक लगभग 55,926 करोड़ रुपये की विशाल राशि 1.26 करोड़ बहनों के बैंक खातों में पहुँचाई जा चुकी है। प्रति माह दी जाने वाली 1500 रुपये की यह सम्मान राशि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के आत्मविश्वास का संबल बनी है। आर्थिक सशक्तिकरण का यह सिलसिला यहीं नहीं रुकता, बल्कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और लखपति दीदी अभियान के तहत 12 लाख से अधिक महिलाओं की आय को एक लाख रुपये के पार ले जाना यह सिद्ध करता है कि प्रदेश की नारी अब परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी है।सुरक्षा और तकनीक के संगम ने मध्य प्रदेश की महिलाओं को एक नया आकाश दिया है। केंद्र सरकार की सेफ सिटी परियोजना के तहत धार जिले का चयन होना और वहाँ 10 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचा विकसित करना।

प्रदेश के दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर लगेंगी स्मार्ट मशीनें

अब दूध की गुणवत्ता और वजन की होगी डिजिटल जांच

भोपाल । मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरी पहल होने जा रही है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ही अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के जरिए दूध के वजन और गुणवत्ता की तुरंत जांच हो सकेगी, जिससे मिलावट और गड़बड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को उनके दूध का सही मूल्य मिलेगा, वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर गुणवत्ता वाला दूध पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अभी कई स्थानों पर दूध की जांच और वजन की प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं।

नई मशीनों में दूध का वजन करने और उसकी गुणवत्ता जांचने की सुविधा एक साथ होगी। दूध संग्रहण केंद्र पर किसान जैसे ही दूध लेकर पहुंचेगा, मशीन तुरंत वजन दर्ज करेगी। हालांकि

फैट समेत अन्य जांच पहले की तरह होगी। इस पूरी प्रक्रिया का डेटा ऑनलाइन दर्ज होगा और किसान मोबाइल एप के जरिए अपने दूध की जानकारी देख सकेगा। संग्रहण केंद्रों के संचालक और दुग्ध संघ के अधिकारी भी रियल टाइम डेटा मॉनिटर कर सकेंगे।वर्तमान व्यवस्था में कई केंद्रों पर दूध की गुणवत्ता जांच मैन्युअल तरीके से होती है।

ऐसे में वजन और फैट की गणना को लेकर कई बार किसानों की शिकायतें सामने आती हैं। कुछ स्थानों पर गलत एंट्री और रिकॉर्ड में गड़बड़ी की शिकायतें भी मिलती रही हैं। नई मशीनों के आने से पारदर्शिता बढ़ेगी और भुगतान प्रक्रिया भी अधिक भरोसेमंद होगी। वहीं, दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि कई बार भैंस के दूध को गाय का दूध बताकर कम कीमत देने जैसी शिकायतें सामने आती हैं।

नई तकनीक लागू होने से इस तरह की समस्याओं पर अंकुश लगेगा और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सकेगा।

तीन से चार माह में स्थापित हो जाएगी मशीनें

मध्य प्रदेश सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के एसीएस उमाकांत उमराव ने बताया कि दो से तीन महीने में यह मशीनें केंद्रों पर लग जाएगी। इससे दुग्ध की गुणवत्ता सुधरने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को लाभ होगा।

किसान को बुवाई के अनुसार दिया जाएगा खाद

भोपाल । प्रदेश में खाद को लेकर हर सीजन में होने वाली मारामारी से बचने के लिए सरकार ने जबलपुर, शाजापुर और विदिशा में खाद वितरण के लिए ई-विकास पोर्टल को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया था। इसके सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद एक अप्रैल से पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। अब किसान को जमीन के क्षेत्रफल और फसल के हिसाब से खाद मिलेगी। ई-विकास के माध्यम से टोकन जनरेट होगा, जो तीन दिन तक वैध रहेगा। किसान यदि सहकारी समिति का सदस्य है तो संबंधित दुकानों का टोकन मिलेगा। यदि सदस्य नहीं है तो उसे दूसरी दुकानें बताई जाएंगी। एक माह में किसी भी किसान को 50 बोरी से अधिक खाद नहीं मिलेगी।

प्रदेश सरकार की इस पहल को भारत सरकार भी अपना रही है और कुछ स्थानों पर इसके पायलट प्रोजेक्ट चलाने के निर्देश भी दिए गए

हैं। खरीफ सीजन हो रबी, हर साल खाद वितरण केंद्रों पर लंबी-लंबी लाइनें लगती हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति संभालने के लिए पुलिस बल भी तैनात करना पड़ता है और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी लगते हैं। यह व्यवस्था लाइनों से छुटकारा दिलाने में सहायक सिद्ध हुई है। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से सुबह सात से शाम आठ बजे के बीच एग्रीस्टेक आइडी (फार्मर आइडी) में दर्ज रकबे (क्षेत्रफल) एवं फसल के आधार पर आनलाइन टोकन बुक कर खाद खरीद सकते हैं। खाद कौन सी लेना है यह किसान ही तय करते हैं। किसान द्वारा खाद लेते ही विक्रय केंद्र के भंडार में से आनलाइन उतनी कमी दर्ज हो जाती है।

संक्षिप्त खबरें

निजी सुरक्षा कंपनी के कर्मचारी पर 7.44 लाख के गबन का आरोप

इंदिरापुरम। गाजियाबाद के शास्त्री नगर स्थित एवरग्रीन फेसिलिटी मैजेंट सर्विस प्रा.लि. सिक्योरिटी कंपनी के कर्मचारी पर 7.44 लाख रुपये गबन का आरोप लगा है। कंपनी संचालक हरबीर सिंह ने वसुंधरा की अरुणिमा पैलेस सोसायटी कार्यालय में तैनात कंपनी कर्मी संजीव कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामला एक अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच का है। पुलिस ने 24 अप्रैल की रात मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीड़ित हरबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि संजीव कुमार सोसायटी कार्यालय में बतौर प्रबंधक कार्यरत रहते हुए लेन देन का पूरा हिसाब वही देखता था। आरोप है कि संजीव ने एक अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक 7.44 लाख रुपये का गबन किया। इस बात की जानकारी कर्मचारियों से मिली तो संजीव से बात की गई लेकिन उसने सही जवाब नहीं दिया और आफिस आना भी बंद कर दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सोसायटी के लेनदेन संबंधी रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

केडब्ल्यू सृष्टि में पानी की किल्लत हुई दूर, निवासियों ने ली राहत की सांस

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन की केडब्ल्यू सोसायटी में कई दिनों से चल रही पानी की समस्या का मुद्दा सुलझ गया है। अमर उजाला ने 25 अप्रैल के अंक में इस समस्या को प्रमुखता से छापा था। इसके बाद जिम्मेदारों ने सक्रियता दिखाई। शनिवार को दिक्कत दूर हो गई, हालांकि फॉल्ट अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाया है, लेकिन आपूर्ति चालू होने से निवासियों ने राहत की सांस ली है। निवासी प्रदीप वर्मा ने बताया कि आपूर्ति चालू कर दी गई है। फॉल्ट वाली जगह को मिट्टी से ढक दिया गया है, हालांकि अभी लीकेज जारी है। विकास और दीक्षांत का कहना है कि पानी अब सभी घरों में निर्बाध पहुंच रहा है। एओए सचिव प्रशांत पांडेय का कहना है कि पानी की समस्या अब दूर हो गई है। सभी घरों में पानी की आपूर्ति हो रही है। एक बार जब पानी के टैंक खाली हो जाते हैं तो उसे रिकवर करने में समय लगता है।

भवन निर्माण फर्म के मुंशी को पीटा, काम बंद कराने का आरोप

इंदिरापुरम। ज्ञानखंड एक स्थित प्लॉट संख्या 177 पर कराए जा रहे अवंतिका बिल्डकॉन फर्म का निर्माण कार्य लोगों ने रुकवा दिया। आरोपियों ने फर्म के मुंशी नवीन शर्मा पर लोहे की रॉड से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। मामला 17 अप्रैल का है, पुलिस ने गौरव सिंह और देवेंद्र सिंह के खिलाफ 24 अप्रैल की रात प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़ित नवीन शर्मा ने बताया कि वह अवंतिका बिल्डकॉन फर्म में मुंशी हैं। 17 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे वह प्लॉट पर निर्माण करा रहे थे।

राघव चड्ढा समेत सात सांसदों की बगावत से चढ़ा दिल्ली का सियासी पारा, भाजपा और आप फिर आमने-सामने

नई दिल्ली: दिल्ली की सियासत एक बार फिर धधक रही है। भाजपा-आप आमने-सामने हैं। राघव चड्ढा समेत कई सांसदों की बगावत ने जहां आप को बैकफुट पर ला दिया है वहीं विद्रोह से गदगद भाजपा फ्रंट फुट पर खेल रही है।

झूठ की राजनीति को पलायन ने किया बेपर्दा, केजरीवाल पर भाजपा ने किया तीखा हमला : भाजपा ने शनिवार को आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज और दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने केजरीवाल पर सादगी की राजनीति का दावा करने के बावजूद आलीशान जीवनशैली अपनाने और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप लगाए। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब अपने मूल विचारों से भटक चुकी है और उसमें वैचारिक दिवालियापन साफ दिख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कई संस्थापक सदस्य इसे छोड़ चुके हैं, जिससे इसकी साख पर सवाल खड़े होते हैं। स्वराज ने कहा कि आप ने शुरूआत में खुद को एक विकल्प के तौर पर पेश किया था, लेकिन बाद में यह नई बोतल में पुरानी शराब साबित हुई। उन्होंने अन्ना हजारे आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि उसी से उभरने के बावजूद केजरीवाल ने अन्ना हजारे को भी धोखा दिया। उन्होंने शीश महल विवाद को उठाते हुए आरोप लगाया कि कोविड के दौरान जब जनता को नेतृत्व की जरूरत थी, तब मुख्यमंत्री अपने आवास पर खर्च कर रहे थे। प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने केजरीवाल के नए सरकारी आवास को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 95 लोधी एस्टेट स्थित यह घर किसी आम आदमी का नहीं, बल्कि किसी लग्जरी होटल जैसा दिखता है। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी का नाम अब आलीशान आदमी पार्टी होना चाहिए। भाजपा ने मांग की कि इस पूरे मामले पर पारदर्शिता लाई जाए और जनता को सच्चाई बताई जाए।

राघव जानते हैं कि कई राज, इसलिए बौखलाई आप

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि सात सांसदों के पार्टी छोड़ने से आप नेतृत्व में घबराहट साफ दिख रही है। दिल्ली और देश की जनता इस बौखलाहट को समझ रही है। राघव चड्ढा का जिक्र करते हुए कहा कि वे ऐसे व्यक्ति हैं जो अरविंद केजरीवाल से जुड़े कई आर्थिक और प्रशासनिक मामलों की जानकारी रखते हैं। यही वजह है कि आप नेता अब दबाव की राजनीति कर रहे हैं। सचदेवा ने आरोप लगाया कि आप पार्टी सांसदों को राइट टू रिकॉल जैसी बातों से डराने की कोशिश कर रही है, जबकि भारतीय संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

भाजपा पर भड़की आप, गुजरात में आम आदमी पार्टी का सोशल मीडिया पेज बंद

गुजरात में आम आदमी पार्टी के फेसबुक और इंस्टाग्राम पेज सस्पेंड होने पर सियासत गरमा गई है। आप ने इसे अपनी बढ़ती लोकप्रियता से घबराई भाजपा की कार्रवाई बताया है। अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाया है कि आखिर भाजपा सोशल मीडिया से क्यों डर रही है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि गुजरात में आम आदमी पार्टी के बढ़ते प्रभाव से घबराकर भाजपा ने पार्टी के सोशल मीडिया पेज बंद करा दिए। उन्होंने कहा कि महज 28 दिनों में 8 करोड़ लोगों ने पार्टी की पोस्ट देखी, जिससे भाजपा परेशान हो गई। संजय सिंह ने कहा कि जो लोग सड़क पर विरोध नहीं कर पाते, वे अब सोशल मीडिया पर आप के साथ खड़े हैं। स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कार्यकताओं को डराया जा रहा है और फर्जी केस लगाए जा रहे हैं। वहीं, सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संस्थाओं पर नियंत्रण के बावजूद सोशल मीडिया पर रोक लगाना गलत है।

अब आम नहीं सिर्फ भ्रष्ट लोग बचे आप में : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इंकलाब के नारे से शुरू हुई पार्टी अब अपने ही अविश्वास और टूट से खत्म हो रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी में अब आम आदमी नहीं, बल्कि भ्रष्ट लोग बचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यसभा के दो-तिहाई सांसदों का जाना केजरीवाल की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। उनके मुताबिक, यह पार्टी के भीतर असंतोष और तानाशाही के खिलाफ संकेत है। मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी पार्टी को झटका लग सकता है। उनके इस बयान के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है, जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगा रहे हैं। विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का बचाव करते हुए भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अरविंद केजरीवाल के तथाकथित नए घर की तस्वीरें दिखाईं, लेकिन मजे की बात ये है कि ये तस्वीरें पूर्व सीएम के घर की नहीं, बल्कि सोशल मीडिया से डाउनलोड की गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हादसा: टेकऑफ के दौरान स्विस एयर विमान के इंजन में आग

नई दिल्ली: दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर स्विस एयर की एक उड़ान के टेकऑफ के दौरान उसके इंजन में अचानक खराबी आ गई और आग लग गई। इस घटना में कम से कम 6 यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, पायलट और ग्राउंड स्टाफ की तत्परता के चलते एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

सूत्रों के अनुसार, स्विस एयर का यह विमान दिल्ली से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने ही वाला था। जैसे ही विमान रनवे पर गति पकड़ रहा था, तभी उसके एक इंजन से असामान्य आवाज आने लगी और देखते ही देखते उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पायलट ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर मौजूद दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाएं तुरंत हरकत में आ गईं। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया और विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

इस दौरान विमान में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान 6 यात्री हल्के रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विमान में सवार सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे संचालन प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य कर दी गई। इस घटना के बाद विमानन कंपनी और संबंधित एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इंजन में तकनीकी खराबी को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

विशेषज्ञों की टीम विमान के ब्लैक बॉक्स और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि घटना के समय विमान के अंदर अचानक धुआं भरने लगा था, जिससे घबराहट फैल गई। हालांकि क्रू मेंबर्स ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सभी यात्रियों को शांत रखा और सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की।

इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स बनाने का औपचारिक प्रस्ताव रक्षा मंत्री को सौंपा

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढा.दिया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स बनाने का औपचारिक प्रस्ताव सौंप दिया है। यह प्रस्ताव कई महीनों की विस्तृत समीक्षा, तीनों सेनाओं-थल सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श के बाद तैयार हुआ है। यह सुधार भारतीय रक्षा व्यवस्था में आजादी के बाद का सबसे बड़ा पुनर्गठन बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, तेज निर्णय प्रक्रिया और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है। थिएटर कमांड क्या है? थिएटर कमांड एक ऐसी सैन्य संरचना है जिसमें देश को रणनीतिक दृष्टि से कुछ बड़े क्षेत्रों (थिएटर) में बांटा जाता है। प्रत्येक थिएटर की कमान एक चार-स्टार अधिकारी के पास होती है, जिसके अधीन थल सेना, नौसेना और वायु सेना की संयुक्त इकाइयाँ काम करती हैं। वर्तमान व्यवस्था में तीनों सेनाएँ अलग-अलग ढंग से काम करती हैं—थल सेना जमीन पर, नौसेना समुद्र में और वायु सेना आकाश में दम दिखाती है। लेकिन आधुनिक युद्ध परिस्थितियों में तीनों सेनाओं के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता होती है। थिएटर कमांड मॉडल इसी समन्वय को एकीकृत और प्रभावी बनाने का प्रयास है।

पेंट फैक्टरी में आग, सिलिंडर फटने से धमाके

गाजियाबाद। मसूरी क्षेत्र के दीक्षा औद्योगिक पार्क स्थित दीनानाथपुर पुट्ठी गांव में शनिवार दोपहर करीब दो बजे पेंट स्प्रे और ऑक्सीजन के छोटे सिलिंडर बनाने वाली फैक्टरी में आग लग गई। आग की चपेट में ऑक्सीजन सिलिंडर और केमिकल के ड्रम आने से जोरदार धमाके हुए। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तीन जनपदों की दमकल टीमों ने मौके पर पहुंचकर करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

सीएफओ राहुल पाल के मुताबिक, दीनानाथपुर पुट्ठी गांव स्थित एसएसएस एरोसोल नामक फैक्टरी चेतन कुमार की है। यहां स्प्रे पेंट और छोटे ऑक्सीजन सिलिंडर बनाने व भरने का काम होता है। पेंट और केमिकल से भरे ड्रम में आग लगते ही तेज धमाके होने लगे। ऑक्सीजन सिलिंडर फटने से स्थिति और भयावह हो गई।

मौके पर गाजियाबाद के अलावा हापुड़ और गौतमबुद्धनगर से दमकल की कुल 12 गाड़ियां बुलाई गईं। दमकलकर्मियों ने हौज पाइप बिछाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन इसी दौरान फैक्टरी में रखे एलपीजी और बड़े ऑक्सीजन सिलिंडर भी फट गए, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। प्राथमिक आकलन के अनुसार, हादसे में करीब तीन करोड़ रुपये का पेंट, केमिकल और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया।

अब आपके हाथ

बाजरे बम्पर उत्पादन

खेत की तैयारी

खेत की तैयारी करते समय 10-15 टन सड़ी हुई गोबर खाद खेत में अच्छी तरह मिला देना चाहिये। इसके बाद हल या कल्टीवेटर से दो जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाकर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लेना चाहिये जिससे खेत में पानी न भरे और जल निकास के माध्यम से वर्षा का अधिक पानी निकाला जा सके।

बुवाई का समय व विधि

बुवाई वर्षा के आरंभ में जून के प्रथम सप्ताह से जुलाई के तृतीय सप्ताह तक बोई जाती है। बुवाई सीड ड्रिल द्वारा लाइन से लाइन की दूरी 45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी तथा बीज को 2-3 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए।

भूमि व उसका उपचार

बाजरा के लिये दोमट व रेतीली दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है जिसका जल निकास अच्छा हो यदि भूमि में दीमक की समस्या हो तो क्विनालफॉस 5% डस्ट का भुरकाव करें यदि पूर्व में बोई गई फसल में खरपतवारनाशी के लिये

पेन्डीमिथालीन दवा उपयोग की गई हो तो वहां बाजरा की बोनी न करें क्योंकि उस खेत में बाजरे के बीज का अंकुरण प्रभावित होता है।

बीज की मात्रा

बीज की मात्रा प्रति हेक्टर 7-8 किलोग्राम पर्याप्त होती है जिसे 3 ग्राम प्रति किलो बीज को थाइरम से उपचारित कर कल्चर से भी उपचारित करना लाभदायक होता है। प्रति हेक्टर पौधों की संख्या 1.70 से 2.00 लाख पर्याप्त मानी जाती है।

विरलन एवं रिक्त स्थान की पूर्ति- बुवाई के तुरंत बाद यदि वर्षा हो जाती है तो बीज के ऊपर मिट्टी की पर्त जम जाती है जिससे अंकुरण कम हो जाता है ऐसी स्थिति कहीं-कहीं बाजरा का खाली स्थान रह जाता है इसमें जहां अधिक पौधे उगे हैं वहां से उखाड़ कर रोपाई करें।

उर्वरक की मात्रा

130 किलोग्राम यूरिया, 175 किलोग्राम फास्फोरस और 50 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश तत्व आधार खाद के रूप में देना चाहिए और शेष 87 किलोग्राम यूरिया की मात्रा बुवाई के 25-30 दिन बाद छिड़कना चाहिए उस समय नमी होना अति आवश्यक है। अधिक उपज के लिये 25 किलोग्राम जिन्क सल्फेट का प्रति हेक्टर तीन वर्ष में एक बार उपयोग करें।

निंदाई-गुड़ाई

बाजरा की फसल को खरपतवार रहित रखने के लिये बुवाई के तीसरे चौथे सप्ताह में निराई-गुड़ाई अति आवश्यक है अन्यथा अधिक खरपतवारों से 30-40 प्रतिशत तक उपज घट जाती है निराई-गुड़ाई पौधे अधिक नजदीक न करें. बुवाई से 45 दिन तक खेत को खरपतवार रहित रखने से 20% तक उपज अधिक मिलती है। साथ ही जहां अधिक पौधे हों उन्हें उखाड़ कर वहां लगा देना चाहिये जहां पौधा नहीं उगा हो इसलिये यह कार्य उस दिन करना चाहिए जिस दिन खेत में पर्याप्त नमी हो।

खरपतवार नियंत्रण के लिये बुवाई के तुरन्त बाद आधा किलोग्राम एट्राजिन सक्रिय तत्व को पानी में घोल बनाकर छिड़कें। यदि चौड़ी पत्ती वाला खरपतवार अधिक हो तो बुवाई के 30 दिन बाद 2-4 डी दवा का 1.00 किलोग्राम सक्रिय तत्व 600 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़क दें।

सिंचाई

बालियां बनते समय या दाना भरते समय यदि वर्षा न हो तो सिंचाई की उपलब्धता की स्थिति में अवश्य देवें और ध्यान रहे कि फसल जललग्नता न हो यदि खेत में पानी भरे तो तुरन्त जल निकाल दें।

उन्नत किस्में

बाजरा की अनुशंसित किस्म का चयन करना चाहिए जिसे प्रमाणित व विश्वस्तरीय श्रोत से क्रय करना चाहिए। संकर किस्में कम समय में पकती हैं तथा उपज की क्षमता अधिक होती है।

संकर किस्में

एचएचबी-50,एचएचबी-60, एचएचबी-68, बीके 560, जेबीएच-1, जेबीएच-2, आयसीएमएच-356 एवं पीएसबी-25 इन किस्मों की उपज 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है तथा ये 75 से 85 दिन में पक जाती है।

एचएचबी-67- यह किस्म सिंचित क्षेत्र के लिये सर्वोत्तम है जिसको पकने की अवधि 60-65 दिन है उपज 30 से 32 क्विंटल प्रति हेक्टर आती है।

कम्पोजिट किस्में

राज 171, जेवीव्ही-2, जेवीव्ही-3 इन किस्मों की उपज 18 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है।

एचसी-4- यह किस्म बारानी तथा सिंचित दोनों क्षेत्रों के लिये सर्वोत्तम है इसकी उपज 25 क्विंटल तक आती है। डब्ल्यूसीसी-75- किस्म का दाना 20 से 22 क्विंटल होता है और डन्ठल की उपज 120 क्विंटल होती है। कटाई एवं गहाई - सितम्बर के अंत या अक्टूबर के मध्य तक पक जाता है जिसे जड़ के ऊपर से दराते से काट कर बन्डल बनाकर खेत में सूखने के लिये खड़ा कर देते हैं।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. -9993173191

मकान मालिक की तिजोरी से पार किए ज्वेलरी, उसी पैसे से खरीद डाला प्लॉट

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने भरोसे को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है. जिस महिला को मकान मालिक ने तीन साल तक अपने घर में किरायेदार बनाकर रखा, उसी पर लाखों की ज्वेलरी चोरी करने का आरोप साबित हुआ है. पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी महिला ने चोरी की रकम से और जेवर बेचकर लखनऊ में प्लॉट तक खरीद लिया था.

मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के एबी नगर का है. यहां रहने वाले मनीष शुक्ला और सौरभ ने 23 तारीख को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से करीब 25 लाख रुपये की ज्वेलरी और चांदी के सामान चोरी हो गए हैं. शक की सुई उनके घर में तीन साल से किराए पर रह रही इंदु पांडे पर गई, जो 15 अप्रैल को कमरा खाली कर चली गई थी. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और सर्विलांस व एसओजी टीम की मदद से आरोपी महिला तक पहुंच बनाई. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके पास से करीब 20 लाख रुपये की ज्वेलरी और लगभग 1.75 लाख रुपये नकद बरामद किए. जांच में यह भी सामने आया कि महिला ने पहले ही करीब छह लाख रुपये की ज्वेलरी बेच दी थी, जिसके पैसे से उसने अपने जेठ नीरज पांडे के साथ मिलकर लखनऊ में एक प्लॉट खरीदा था. इस मामले में पुलिस ने एक ज्वेलर्स कुलदीप को भी गिरफ्तार किया है, जिसके पास महिला ने चोरी के जेवर बेचे थे. पुलिस को उसके पास से भी कुछ आभूषण और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस पूरे मामले में अभी दो अन्य आरोपी भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है. जांच में यह साफ हुआ है कि महिला ने बेहद सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया और सबूत छिपाने की भी कोशिश की.

डाइटिशियन की हत्या, थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट और घर में चिट्ठी छोड़कर पति फरार

सूरत। गोड़ादरा इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है. यहां एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी की हत्या करने और उसके शव को छिपाने का गंभीर आरोप लगा है. इतना ही नहीं, आरोपी ने खुद ही पुलिस थाने जाकर पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराकर जांच को गुमराह करने की कोशिश भी की. मामला सूरत शहर के गोड़ादरा क्षेत्र का है, जहां रहने वाले 40 वर्षीय विशाल रणछोड़भाई साल्वी ने अपनी 39 वर्षीय पत्नी शिल्पा साल्वी के लापता होने की शिकायत स्थानीय पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी. शिल्पा पेशे से डाइटिशियन थीं. पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए महिला की तलाश शुरू की, लेकिन जांच के शुरुआती चरण में ही मामला संदिग्ध नजर आने लगा.

जांच के दौरान पुलिस के हाथ एक चौंकाने वाला सबूत लगा. दरअसल, आरोपी विशाल साल्वी ने अपने घर में एक चिट्ठी छोड़ रखी थी, जिसमें उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार की थी. यह चिट्ठी उसके नाबालिग बेटे को मिली, जिसने इसे पुलिस को सौंप दिया. चिट्ठी में आरोपी ने लिखा था कि उससे बहुत बड़ी गलती हो गई है और उसकी पत्नी अब इस दुनिया में नहीं रही.इस खुलासे के बाद पुलिस ने तुरंत जांच की दिशा बदल दी और आरोपी के पुराने ठिकानों पर छानबीन शुरू की. इसी दौरान पुलिस सलाबतपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली श्रमजीवी सोसाइटी स्थित एक पुराने और बंद पड़े मकान तक पहुंची. जब पुलिस ने मकान का दरवाजा खोला, तो अंदर का दृश्य बेहद भयावह था. घर के एक कमरे में रखे लकड़ी के संदूक से तेज दुर्गंध आ रही थी. जब संदूक को खोला गया, तो उसमें शिल्पा साल्वी का सड़ा-गला शव बरामद हुआ.

हॉस्टल में एमबीए छात्रा के साथ रेप, दुकानदार ने की हैवानियत

ओडिशा। राजधानी भुवनेश्वर में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। 67 वर्षीय दीपक प्रधान नामक व्यक्ति ने गंगापाड़ा इलाके में स्थित महिला छात्रावास में घुसकर एमबीए छात्रा के साथ बलात्कार किया। आरोपी उसी हॉस्टल के बगल में किराना दुकान चलाता है। पीड़िता छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रहने वाली है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद पीड़ित छात्रा ने इंफो वैली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा और पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस घटना ने पूरे इलाके में आक्रोश फैला दिया है। हॉस्टल महिला छात्राओं के लिए सुरक्षित माना जाता था, लेकिन आरोपी बाहर का व्यक्ति होने के बावजूद अंदर घुसने में सफल रहा। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था में कितनी बड़ी लापरवाही हुई, जिससे बाहरी व्यक्ति आसानी से प्रवेश कर सका। हॉस्टल मैनजमेंट और सुरक्षा गार्डों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। दीपक प्रधान लंबे समय से इलाके में दुकान चलाता रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और छात्राओं के बीच उसकी आवाजाही सामान्य थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

मम्मी सोई थी, पापा ने भईया को चाकू मारा, नशे में जघन्य हत्या

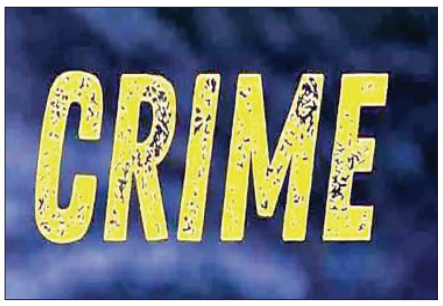

यूपी। यूपी में झांसी के रक्सा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शराब के नशे में धुत एक पिता ने पहले अपने तीन साल के इकलौते बेटे को गला रेतकर मार डाला और फिर खुद फांसी के फंदे पर लटक गया। शनिवार तड़के खिड़की से बंद कमरे में पति व बेटे के शव देख मां बेहोश हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि ढीमरपुरा गांव में रहने वाला 38 वर्षीय प्रेम सिंह रायकवार खेती-किसानी करता था। वह पत्नी आशा, दो बेटी तुलसा, विनीता और तीन साल के बेटे भरत के साथ रहता था। शुक्रवार की रात प्रेम सिंह पड़ोस में शादी समारोह में गया था। पत्नी बच्चों के साथ आंगन में सो गई। आधी रात के बाद शराब के नशे में प्रेम सिंह घर लौटा और चुपके से मां के बगल में सो रहे भरत को गोद में उठाकर कमरे में ले गया। इसके बाद चाकू से उसका गला रेतकर खुद फांसी के फंदे पर झूल गया। शनिवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे आशा बेटे को पास न पाकर चिंतित हो गई। उसने खिड़की से झांककर देखा तो पति प्रेम सिंह फंदे पर झूल रहा था, जबकि भरत का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था। यह देख वह चीख पड़ी। शोर सुनकर आसपास के लोग आ गए। दरवाजा तोड़कर दोनों शव बाहर निकाले गए। सीओ सदर रामवीर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला बेटे की हत्या के बाद आत्महत्या करने का प्रतीत हो रहा है। ..मम्मी सो रईं थीं। ..पापा भैया को उठा ले गए। ..कमरे में ..भैया को चक्कू से मार दिया ..और खुद फांसी लगा ली। यह बोल, ..छह साल की मासूम कशिश के थे। जिसने कमरे में इकलौते भैया का खून से सना शव और पापा को फंदे पर देखा तो सहम उठी। मां आशा, ताई रचना सहित अन्य परिजन चीखने-चिल्लाने लगे तो और भी सदमे में आ गई।

रुआंदी जुबां से कशिश बोलीं, ..भैया जमीन पर मरा पड़ा था। खून बह रहा था। दरवाजे से हमने देखा तो भी फंदे पर लटके थे। इतना कहकर इधर-उधर सिर घुमा लिया। आसपास खड़े लोगों का कलेजा कांप उठा। रक्सा थाना क्षेत्रान्तर्गत गांव ढीमरपुरा में शुक्रवार देर रात नशे में मासूम बेटे भरत की हत्या के बाद प्रेम सिंह रायकवार (38) ने फांसी लगाकर जान दे दी। इस झंकझोर देने वाले मंजर ने लोगों का कलेजा कंपा दिया। मृतक की पत्नी आशा बेहोश हो गई।

भाई नेकीराम सुधबुध खो बैठा। भाभी रचना बिलख पड़ी। दर्द भरी चीखें सुन पूरा गांव जुट गया। जिसने ने भी कमरे में झांका तो आंखों बंद कर बैठा। चश्मदीद यही कहते दिखे थे। कलेजे के टुकड़े का गला रेतते वक्त प्रेम के हाथ तक नहीं कांपे। कुछ लोगों ने बताया कि दारू ने पूरा परिवार मिटा दिया।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण व पेंशन हड़पने वाला आरोपी गिरफ्तार

सिमडेगा। झारखंड के सिमडेगा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक दिव्यांग युवती को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण और आर्थिक ठगी का शिकार बनाया गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गुमला जिले के पालकोट निवासी मनोरंजन एक्का ने फोन पर बातचीत के दौरान युवती से संपर्क बढ़ाया। धीरे-धीरे यह बातचीत नजदीकियों में बदल गई और आरोपी ने शादी का वादा कर युवती का भरोसा जीत लिया। दिव्यांगता से जूझ रही पीड़िता ने उसे जीवन साथी मान लिया, जिसके बाद दोनों के बीच संबंध बने। आरोप है कि शादी का झांसा देकर आरोपी लगातार युवती का शारीरिक शोषण करता रहा और उसे अपने साथ अलग-अलग स्थानों पर ले जाता रहा। इस दौरान वह चाईबासा में काम के बहाने युवती को भी साथ रखता था, जिससे पीड़िता को पूरी तरह भरोसा हो गया कि जल्द ही शादी होगी। इसके साथ ही आरोपी ने युवती की दिव्यांगता पेंशन पर भी नजर गड़ा दी। वह धीरे-धीरे उसे बहला-फुसलाकर पेंशन की राशि भी हड़पने लगा। लंबे समय तक यह सिलसिला चलता रहा और युवती आरोपी के झूठे वादों पर भरोसा करती रही। मामले में बड़ा मोड़ तब आया जब आरोपी ने युवती को छोड़कर दूसरी शादी कर ली। यह खबर पीड़िता के लिए गहरा सदमा साबित हुई। इसके बाद उसने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की और तथ्यों की पुष्टि के बाद आरोपी मनोरंजन एक्का को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मुख्यालय डीएसपी रणवीर सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

समलैंगिक प्रेम: दोनों लड़कियों को अलग करने में पुलिस की कोशिशें फेल

यूपी। मुरादाबाद जिले के बिलारी कोतवाली क्षेत्र में रविवार को एक ऐसी घटना सामने आई जिसने सामाजिक मान्यताओं और पारिवारिक परंपराओं को झकझोर कर रख दिया। दो युवतियों के बीच पनपे समलैंगिक प्रेम और उनके द्वारा एक-दूसरे के साथ शादी करने की जिद ने न केवल उनके परिवारों को लाचार कर दिया, बल्कि पुलिस प्रशासन के सामने भी कानून की सीमाएं खड़ी कर दीं। रुद्रपुर की एक फैक्ट्री में शुरू हुई यह प्रेम कहानी अब एक कानूनी और सामाजिक चर्चा का केंद्र बन चुकी है।

घटना की जड़ें उत्तराखंड के रुद्रपुर से जुड़ी हैं। बिलारी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती कुछ समय पहले रुद्रपुर स्थित एक फैक्ट्री में काम करने गई थी। उसी फैक्ट्री में बिहार के आरा जिले की रहने वाली एक अन्य युवती भी काम करती थी। साथ काम करते-करते दोनों की दोस्ती गहरी होती गई और देखते ही देखते यह दोस्ती प्रेम में बदल गई। दोनों के बीच रिश्ता इतना प्रगाढ़ हो गया कि उन्होंने दुनिया की परवाह किए बिना साथ रहने और शादी करने का फैसला कर लिया। बताया जा रहा है कि वे पिछले कई महीनों से पति-पत्नी की तरह रह रही थीं। स्थानीय युवती जब लंबे समय तक घर नहीं लौटी तो उसके माता-पिता चिंतित हो गए। उसे वापस बुलाने के लिए परिजनों ने एक चाल चली और उसकी शादी तय होने का झूठा बहाना बनाकर उसे घर आने को कहा। युवती घर तो पहुंची, लेकिन वह अकेले नहीं थी। उसकी जीवनसाथी भी उसके साथ थी। जब घर वालों ने दोनों के संबंधों के बारे में सुना तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

चाचा अपनी भतीजी को लेकर फरार, प्रेम-प्रसंग उजागर होने से परिजन सदमे में

यूपी। शाहजहांपुर जिले के खुटार कस्बे में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला प्रकाश में आया है। यहां एक सगा चाचा ही अपनी 16 साल की भतीजी के कमरे में आधी रात पकड़ा गया। इससे पहले कि सबेरे बखेड़ा होता भोर में ही नाबालिग भतीजी को लेकर चाचा फरार हो गया। लोक-लाज और सगे भाई की इस करतूत से आहत किशोरी के पिता ने विषाक्त पदार्थ (जहर) खाकर जान देने की कोशिश की। गंभीर हालत में पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किशोरी के भगा ले जाने की शिकायत मिलते ही पुलिस भी एक्टिव हुई और भतीजी को बरामद कर लिया है। चाचा की तलाश के साथ पूरे मामले की जांच में पुलिस जुटी है। घटना शनिवार रात की है, जब पूरा परिवार घर में सो रहा था। किशोरी के पिता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, रात करीब 1:30 बजे उसकी पत्नी की अचानक नींद खुली। कमरे में रोशनी हुई तो उसने देखा कि उसकी 16 वर्षीय बेटी तख्त पर बैठी हुई थी और गुनगुना रही थी। आधी रात को बेटी के इस व्यवहार पर मां को शक हुआ। जब पति-पत्नी ने मिलकर कमरे की तलाशी ली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। तख्त के नीचे किशोरी का सगा चाचा (पिता का सगा भाई) छिपा था। परिजनों ने जब उसे पकड़ने का प्रयास किया, तो वह उन्हें धक्का देकर और हाथ छुड़ाकर मौके से फरार हो गया। आधी रात के इस हंगामे के बाद घर में तनाव का माहौल था। परिजन बेटी को समझाने की कोशिश कर ही रहे थे कि भोर में करीब 4 बजे मौका पाकर किशोरी भी घर से लापता हो गई। सुबह जब खोजबीन शुरू हुई तो पता चला कि आरोपी चाचा भी अपने घर से नदारद है। परिजनों को समझते देर नहीं लगी कि चाचा ही अपनी भतीजी को भगा ले गया है। आनन-फानन में पीड़ित पिता ने खुटार थाने पहुंचकर अपने सगे भाई के खिलाफ नामजद तहरीर दी।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)